

## Gujarat Times

Edition: Newyork / chicago | Date: July 08, 2011 | Page No: 23 | Category: Sterling Hospital

Sterling Hospital successfully undertakes living donor liver transplant

# स्टर्लिंग होस्पिटलमां जुवित दाताना लीवरनी मददथी सफल लीवर ट्रान्सप्लान्ट

अमदावाद: सतत १४ कलाकनी भारे जहेमत पट्ठी, गुजरातनी कोर्पोरेट होस्पिटलोंमां अग्रेसर स्टर्लिंग होस्पिटल, अमदावादनी डोकर्ट्स टीम द्वारा एक ज्ञित व्यक्तिना लीवरनी मददथी, लीवर सिरोसीसधी पीडाती व्यक्तिमां सळण लीवर ट्रान्सप्लान्ट करवामां आयुं हतु. आणंदना पर्चीस वर्षनी उमरना जनरल प्रेक्टिशनर डो. कनुभाई गोहिल अने तेमना संबंधी पूनम परमार पर आ ओपरेशन डो. ए. एस. सोईन, डो. डितेश चावडा, डो. रवि मोहन्का अने तेमनी टीम कर्यु हतु. गुडगांवना मेडिसिनी - इन्स्टिट्यूट ओफ लीवर ट्रान्सप्लान्टेशन एन्ड रिजनरेटिव मेडिसीनना चीफ लीवर ट्रान्सप्लान्ट एन्ड हिपेटोबिलियरी सर्जन डो. ए. एस. सोईन अने तेमनी टीम भारतमां लीवर ट्रान्सप्लान्टेशननो सौथी वधु अनुभव धारवे छे.

आ केस अंगेनी विगत आपातन स्टर्लिंग होस्पिटल, अमदावादना कन्सल्टन्ट - हिपेटोबिलियरी सर्जन तथा लीवर ट्रान्सप्लान्ट प्रोग्रामना डिविजन चीफ डो. डितेश चावडा आ ज्ञाणायुं हतु के गया भिन्ने डो. कनुभाईचे पेटनी तकलीफ, अशक्त अने कमणानी फरियाद साथे होस्पिटलनो संपर्क कर्यु हतो. तभीबी तपासमां ज्ञाणायुं हतु के २० वर्ष अगाउ कोई रक्तदाता तरक्की तेमने

हिपेटोएंटिस-सीनो चेप लाग्यो हतो अने तेने कारणे लीवर सिरोसिस थायुं हतु. तेओ टर्मिनल लीवर कैरियरोना छेल्या तबक्कानो भोग बन्या हता अने लीवर ट्रान्सप्लान्टेशन कर्या वगर घोडांक समाहाथी वधु ज्ञावी शके तेम नहोता. आधी अमे तेमने मृत व्यक्तिनु लीवर ट्रान्सप्लान्ट नहिं करवा माटे सलाह आपी हती, कारण के आवा टिस्सामां दृष्टिना ब्लड ग्रुप अने प्रतीक्षायादीना नंबरने आधारे लीवर मेणववा एकथी बार महिना राह ज्ञावी पडे छे. आधी अमारी समक्ष तेमनी पर ऐलीओलटी (लीविंग डोनर लीवर स्वीकारनारना शरीरमां योग्य रीते गोठवाई गयुं छे अने लोहीनो प्रवाह योग्य रीते प्रस्थापित थयो छे.

३० स्पेशियलिस्ट डोकरनी ओपरेशन पहेलां, ओपरेशन दरमियान अने ओपरेशन पट्ठी ज्ञरु पडे छे. शख्तिक्यामां दृष्टिना संबंधी (डोनर)ना लीवरनो एक भाग दूर करीने लीवरनी बीमारी धरावता दृष्टिनी शख्तिक्या माटे ज्ञरी बने छे. आ बन्ने माटे एक-एक अनेस्थेटिस्टनी ज्ञरु पडे छे. उपरांत रिलाफ सर्जनने हाइटर रभाय छे. समग्र ओपरेशन दरमियान रेडियोलोजिस्टने पाण थियेटरमां हाइटर रभाय छे, जेथी अल्ट्रासाउंड स्केन करीने ज्ञावी शकाय के डोनरनु लीवर स्वीकारनारना शरीरमां योग्य रीते गोठवाई गयुं छे अने लोहीनो प्रवाह योग्य रीते प्रस्थापित थयो छे.

## लीविंग डोनर लीवर ट्रान्सप्लान्टेशन (ऐलीओलटी) थी स्टर्लिंग होस्पिटलनो समावेश देशनी टोयनी होस्पिटलोंमां थयो छे

तेमना साणा पूनम परमार तेमनी मददे आव्या. पूनमनुं ब्लड ग्रुप मेच थायुं होवाथी तेमणे तेमना लीवरना एक हिस्सो दानमां आपवानी इच्छा दर्शावी.

स्टर्लिंग होस्पिटलमां २०भी मेअ आजुबाजुमां आवेलां बन्ने ओपरेशन थियेटरोमां आ ओपरेशन करायुं हतु अने दाता तेम ज दृष्टिन होस्पिटलमांथी अनुकमे सातमा अने भारमा हिवसे तंदुरस्त हालतमां रजा अपाई हती.

ऐलीओलटीनी अनिवार्यता अंगे चर्चा करता डो. चावडा आ ज्ञाणायुं के उपयोगमां लेवाता सोतोने ध्यानमां राखतां ऐलीओलटी मोटी शख्तिक्या छे. लीवरदाता अने स्वीकारनार दृष्टि माटे ओछामां ओछा

लीवर स्वीकारनार दृष्टिने लीवर डिसीज होवाथी लोहीनी इज आवावानी कमता पर असर पडती होवाथी ब्लड स्पेशियलिस्टने पाण हाइटर रभाय छे. एक नेफ्रोलोजिस्ट (डिडनी एक्सपर्ट)नी पाण ज्ञरु पडे छे, जेथी दान आपनार अने स्वीकारनार बन्नेनां लीवर योग्य रीते काम करे छे ते ज्ञावी शकाय. उपरांत येपी रोगोना निष्णात, हृदयरोग निष्णात अने नरोलोजिस्टनी पाण टीममां ज्ञरियात रहे छे.

आ ओपरेशन टीममां डो. एस. पटवारी, डो. निलय महेता (हिपेटोलोजिस्ट) डो. विस्मित जोशीपुरा, डो. अमित शाह, डो. आशिष परीज अने डो. सुमनना (सर्जन्स)नी बनेली स्थानिक टीमनो समावेश थतो

हतो. अनेस्थेशिया टीममां मेदान्ता होस्पिटल, गुडगांवना डो. विजय वहोरा अने डो. संज्ञव उपाधाय, डो. रवेश देसाई अने डो. भाविन पठेलनो समावेश थयो हतो.

स्टर्लिंग एडलाईफ इन्डिया लिमिटेडना सीईओ राज्य शर्मामे ज्ञाणायुं हतु के आवी सक्षम टीम अने साथे दवाओ तथा अति आधुनिक उपकरणो आवा ओपरेशन माटे ज्ञरी बनतां होय छे अने शख्तिक्या पडकारूप होय छे. आ परिस्थितिने कारण समग्र भारतमां ज्ञज होस्पिटलोंमां ज ऐलीओलटीना ओपरेशन थाय छे. स्टर्लिंग होस्पिटल, अमदावाद आ सिद्ध हांसल करवानुं गौरव अनुभवे छे.

स्टर्लिंग एडलाईफ इन्डिया लिमिटेडनी मालिकीनी अने संचालित स्टर्लिंग होस्पिटल गुजरातनी अग्रणी कोर्पोरेट होस्पिटल छे. अमदावाद, वडोदरा, राजकोट अने भावनगरमां आवेली होस्पिटल मल्टी स्पेशियलिटी टर्स्टरी के सुविधा धरावे छे, ज्यारे मुन्हा SEZ अने आदिपुरनी होस्पिटल हाई एन्ड सेक्युरी केर धरावे छे. आ उपरांत क्लोब अने महेसाणामां बे स्टेलाईट सेन्टर पाण धरावे छे.

स्टर्लिंग होस्पिटल, अमदावाद अ NAVH अने NABL एकेडेशन धरावती गुजरातनी सौप्रथम होस्पिटल छे अने सतत ग्रां पर्च सुधी अमदावादनी श्रेष्ठ होस्पिटल तरीकेनुं सन्मान धरावे छे, ज्यारे स्टर्लिंग होस्पिटल, वडोदरा NABH एकेडेशन धरावती दक्षिण गुजरातनी सौ प्रथम होस्पिटल छे. (छटीअनेनेस)